



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 109]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 31, 1986/चैत्र 10, 1908

No. 109]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 31, 1986/CHAITRA 10, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग) ।

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1986

आदेश

कां०आ० 143 (अ):— भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां० आ० 405 (अ), तारीख 20 जून, 1977; कां०आ० 406(अ), तारीख 16 जुलाई 1979; कां०आ० 556 (अ) तारीख 21 जुलाई, 1980; कां०आ० 575 (अ), तारीख 20 जुलाई, 1981; कां०आ० 515(अ), तारीख 21 जुलाई, 1982; कां०आ० 27(अ), तारीख 19 जनवरी, 1983; कां०आ० 514 (अ), तारीख 21 जुलाई, 1983; कां०आ० 948 (अ), तारीख 31 दिसम्बर, 1983; कां०आ० 468(अ) तारीख 28 जून, 1984; कां०आ० 972(अ) तारीख 29 दिसम्बर, 1984 और कां०आ० 279 (अ), तारीख 30 मार्च, 1985 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० कां० आ० 375 (अ), तारीख 22 जुलाई, 1975 द्वारा मैसर्स ग्लुकोटेड लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध प्रथम उल्लिखित आदेश में निर्दिष्ट व्यक्तियों के निकाय ने 31 मार्च, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अवधि के लिये ग्रहण किया था ;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध, व्यक्तियों के उक्त निकाय द्वारा 31 मार्च, 1987 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये जारी रखा जाएगा ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि प्रथम उल्लिखित आदेश, 31 मार्च, 1987 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये प्रभावी बना रहेगा ।

[फा० सं० 6(3)/79-सी यू एस

ए०पी० सरवन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 31st March, 1986

ORDER

S.O. 143(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and

Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 375(E), dated the 22nd July, 1975 read with the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 405(E), dated the 20th July, 1977; S.O. 406(E), dated the 16th July 1979; S.O. 556(E), dated the 21st July, 1980; S.O. 575(E), dated 20th July, 1981; S.O. 515(E), dated the 21st July, 1982; S.O. 27(E), dated the 19th January, 1983; S.O. 514(E), dated the 21st July, 1983; S.O. 948(E), dated the 31st December, July, 1983; S.O. 948(E), dated the 28th June, 1984; S.O. 972(E), dated the 29th December, 1984 and S.O. 279(E), dated the 30th March, 1985, the management of the Industrial undertaking known as Messrs Gluconate Limited, Calcutta, had been taken over by the body of persons referred to in the order

first mentioned for the period upto and inclusive of 31st March, 1986;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said body of persons should continue for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 31st March, 1987.

[File No. 6(3)/79-Cus.]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.